

## टोटो भाषा

[स्रोत: द हट्टि](#)

पश्चिम बंगाल में केवल 1,600 व्यक्तियों द्वारा बोली जाने वाली टोटो भाषा विलुप्त होने के कगार पर है।

- हालाँकि टोटो भाषा को संरक्षित करने में सहायता के लिये "टोटो शब्द संग्रह" नामक एक त्रिभाषी शब्दकोश (टोटो-बंगाली-अंग्रेज़ी) 7 अक्टूबर 2023 को कोलकाता में जारी किया जाएगा।

## टोटो भाषा:

- टोटो भाषा एक चीन-तिब्बती भाषा है जो भूटान की सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में टोटो जनजात के व्यक्तियों द्वारा बोली जाती है।
  - संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) इसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय भाषा के रूप में सूचीबद्ध करता है।
- टोटो भाषा मुख्य रूप से मौखिक रूप से बोली जाती है, हालाँकि समुदाय के प्रमुख सदस्य पद्मश्री से सम्मानित धनीराम टोटो ने वर्ष 2015 में इसकी एक लिपि विकसित की है, लेकिन ज्यादातर व्यक्त इससे या तो बंगाली लिपि में लिखते हैं या बंगाली भाषा में लिखते हैं।

## टोटो समुदाय:

- टोटो एक आदिम और एकांत जनजातीय समूह है जो भारत के पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में टोटोपारा नामक एक छोटे से इलाके में रहता है।
- वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार टोटो जनजात के लोगों की कुल जनसंख्या 2000 से कम है, ये सभी टोटोपारा में रहते हैं।
- टोटो को मंगोलॉयड लोग माना जाता है।
- ये आम तौर पर अंतरविविही होते हैं और अपनी ही जनजात में विवाह करते हैं।
- टोटो परिवार प्रकृति में पतृसत्तात्मक (एक सामाजिक व्यवस्था जिसमें एक विवाहित जोड़ा पति के माता-पिता के साथ रहता है) व्यवस्था पर आधारित है और एकल प्रकार का प्रभुत्व रखता है। हालाँकि इनमें संयुक्त परिवार होना दुर्लभ नहीं है। टोटो समुदाय में मोनोगैमी (एकविवाह प्रथा) विवाह का एक सामान्य रूप है लेकिन बहुविवाह नषिद्ध नहीं है। टोटो संस्कृति में तलाक की कोई प्रथा नहीं है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????????????

प्रश्न. भारत के संदर्भ में, 'हल्बी, हो और कुई' पद किससे संबंधित हैं - (2021)

- पश्चिमोत्तर भारत का नृत्य रूप
- वाद्ययंत्र
- प्रागैतिहासिक गुफा चित्रकला
- जनजातीय भाषाएँ

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- ऑस्ट्रो-एशियाटिक: भूमजि, बरिहोर, रेम (बोंडा), गाता (ददियाई), गुटब (गदाबा), सोरा (साओरा), गोरम (पारेंगा), खड़िया, जुआंग, संताली, हो, मुंडारी, आदी।
- द्रविड: गोंडी, कुई-कोंध, कुवी-कोंध, कसान, कोया, ओलारी, (गदाबा) परजा, पेंग, कुडुख (उरांव) आदी।

- **इंडो आर्यन:** बथुडी, भुइयां, कुरमाली, सौती, सदरी, कंधन, अघरिया, देसिया, झरिया, हल्बी, भतरी, मटिया, भुंजिया आदि।
- राज्य में रहने वाली जनजातियों की बड़ी आबादी के कारण ओडिशा का भारत में एक अद्वितीय स्थान है। ओडिशा में 62 जनजातीय समुदाय रहते हैं जो ओडिशा की कुल आबादी का 22.8% हैं।
- ओडिशा की जनजातीय भाषा 3 मुख्य भाषा परिवारों में वभाजति है। वे ऑस्ट्रो-एशियाटिक (मुंडा), द्रवड़ि और इंडो-आर्यन हैं। प्रत्येक जनजातकी अपनी भाषा और भाषा परिवार होता है। इनमे नमिनलखिति भाषाएँ शामिल हैं:
- इन भाषाओं में से केवल 7 भाषाओं के पास ही लिपि हैं। वे हैं संताली (ओलचिकी), साओरा (सोरंग संपेंग), हो (वारंगचति), कुई (कुई लिपि), ओरांव (कुखुद तोड़), मुंडारी (बानी हसिरि), भूमजि (भूमजि अनल)। संताली भाषा को भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया है।

अतः विकल्प (D) सही उत्तर है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/toto-language>

